भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †98
सोमवार, 18 जुलाई, 2022/27 आषाढ़, 1944 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

प्रतिस्पर्धा पर्यटन रैंकिग प्रणाली

†98. श्री रंजीतसिन्हा हिंदुराव नाईक निम्बालकरः
श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगरेः
श्री अरूण सावः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विचार देशभर में विशेषकर महाराष्ट्र तथा छत्तीसगढ़ राज्यों में शहरों के बीच एक प्रतिस्पर्धी पर्यटन रैंकिंग प्रणाली शुरू करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) देशभर के शहरों में अधिक से अधिक पर्यटन स्थल बनाने, उनके रख-रखाव और उन्हें बढ़ावा देने के साथ-साथ रात में भ्रमण के लिए और अधिक स्थल उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने देशभर के पर्यटन स्थलों और उनसे सम्बन्धित स्थलों का मूल्यांकन करने के लिए पर्यटन स्थल मूल्यांकन फ्रेमवर्क तैयार किया है।

(ग): पर्यटन मंत्रालय देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का समग्र प्रचार-प्रसार करता है। रात के समय यात्रा के लिए उपलब्ध पर्यटक स्थलों सहित पर्यटक स्थलों की पहचान और विकास मुख्यत: सम्बन्धित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र (यूटी) प्रशासन की जिम्मेदारी है। तथापि पर्यटन मंत्रालय ''स्वदेश दर्शन'' और ''तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान सम्बन्धी राष्ट्रीय मिशन''-प्रशाद योजनाओं के तहत पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के साथ परामर्श से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। स्थलों पर उपयुक्त प्रकाश और रोशनी का प्रावधान प्रशाद योजना के अति आवश्यक घटकों में से एक है, जो स्थलों/गंतव्यों को रात के समय भी पर्यटक अनुकूल बनाता है। इसके अतिरिक्त, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, पोर्ट ट्रस्ट ऑफ इंडिया, आईटीडीसी, रेल मंत्रालय आदि जैसी विभिन्न केन्द्रीय एजेंसियों को पर्यटकों की अभिरूचि वाले स्थलों का विकास, स्मारकों की रोशनी और परिरक्षण, क्रूज़ टर्मिनलों के विकास आदि और पर्यटकों द्वारा अपेक्षित सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भी वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

****